

# झुम्पी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक प्रयागराज से प्रकाशित

हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com

www.jjnews.in

प्रयागराज, मंगलवार 21 मार्च, 2023

वर्ष - 07 / अंक - 299 प्रष्ठ - 08 / मूल्य - 2 रुपये

## जापानी पीएम ने प्रधानमंत्री मोदी को मुख्यमंत्री योगी का निर्देश जी7 की बैठक के लिए किया आमंत्रित

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने नई दिल्ली स्थित

दोनों देशों के नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर

दोनों देशों के बीच क्रिटिकल टेक्नोलॉजी, डिजिटल समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई।

लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग, स्टील, एमएसएमई जैसे क्षेत्रों में भी दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

2023 को टूरिज्म एक्सचेंज के रूप में मना रहे हैं। जापानी प्रधानमंत्री ने मई महीने में जी7 की बैठक में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

बैठक के बाद क्या बोले दोनों देशों के नेता प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और जापान की विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी, आपसी लोकात्मिक मूल्यों और कानून के शासन पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम और पीएम किशिदा हाल के समय में कई बार मिल चुके हैं और हर बार उन्हें सकारात्मक ऊर्जा महसूस होती है। जापानी पीएम से आज की मुलाकात भी दोनों

देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए उन दोनों ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को जी7 के हिरोशिमा सम्मेलन में शामिल होने का न्यौता दिया है और उन्होंने न्यौते को स्वीकार भी कर लिया है। किशिदा ने कहा कि दोनों देश कार्बन उत्सर्जन कम करने और ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए काम करते रहेंगे।

ओलावृष्टि से ललितपुर में सबसे ज्यादा फसलों को नुकसान बीते दिनों हुई ओलावृष्टि से फसलों को सबसे अधिक नुकसान ललितपुर में हुआ है। अमेठी, बुलंदशहर और



हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इस

बातचीत हुई। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि

ओलावृष्टि से ललितपुर में सबसे ज्यादा फसलों को नुकसान

## अखिलेश होंगे विपक्षी नेताओं को जोड़ने वाले सूत्रधार! कोलकाता की बैठक से मिले ऐसे संकेत



राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई

व्यक्ति हैं जो कॉमन लीडर के तौर पर सबसे साथ जुड़े हैं। इसके पीछे तर्क देते हुए बतानी कहते हैं कि अखिलेश यादव इससे पहले कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुके हैं। वह स्टालिन के जन्मदिन पर कांग्रेस के बड़े नेताओं के साथ मंच साझा कर चुके हैं। इसके अलावा अखिलेश यादव की बिहार में नीतीश कुमार गठबंधन के साथ ही अखंड पीकड़ है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

कई और पहलुओं को राजनीतिक विश्लेषक अपने नजरिए से ही देख रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

कई और पहलुओं को राजनीतिक विश्लेषक अपने नजरिए से ही देख रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

कई और पहलुओं को राजनीतिक विश्लेषक अपने नजरिए से ही देख रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

कई और पहलुओं को राजनीतिक विश्लेषक अपने नजरिए से ही देख रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

कई और पहलुओं को राजनीतिक विश्लेषक अपने नजरिए से ही देख रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

## पाँलिधीन में कमर के नीचे का हिस्सा, खोपड़ी और हाथ..... दिल्ली में हत्या की सनसनी वारदात

दिल्ली में हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक महिला की कई टुकड़ों में लाश मिली है। बंदूक आने पर लोगों के दिल बड़े सूत्रधार के तौर पर सामने आ रहे हैं।

## गीता पांडे महमदपुर सहकारी समिति की निर्विरोध सभापति निर्वाचित

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

## गौरी शंकर धाम में किया गया सम्मान

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

## शाहगंज महोत्सव में 501 जोड़ों का कराया गया विवाह

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।

## घनश्यामपुर सहकारी समिति के सरपंच बने अवधेश यादव

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कई सिपायी मान्य भी हैं। इसमें सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण मजदूर है।



जिलाधिकारी ने लाइसेंस तथा परिवहन से सम्बंधित कार्यों में पारदर्शिता बनाये रखने के लिए निर्देश



जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने सोमवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय धूपपुर, जसरा एवं करस्टूवा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय धूपपुर जसरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों की पढाई की गुणवत्ता की जांच करते हुए बच्चों से पहाड़ा, गुणा एवं अंग्रेजी के शब्दों की मीनिंग पूछा तथा अध्यापकों से कहा कि और मेहनत करने की आवश्यकता है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने करस्टूवा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय जसरा का निरीक्षण किया तथा वहां पर उन्होंने साफ-सफाई, भोजनालय, बच्चों के खेलने तथा जो बच्चों को खिलाया जाता है, उसकी गुणवत्ता की जांचकारी ली और छात्रावास का भी निरीक्षण किया। वहां पर उन्होंने बच्चों की पढाई, पुस्तकें, बैज तथा खाने आदि की जांचकारी लेते हुए कहा कि बच्चों को किसी भी प्रकार की समस्या न आये, वहां पर मूक के अनुसार ही भोजन दिया जाये, इसका विशेष ध्यान दिया जाये। बायोमेट्रिक मशीन की क्रियाशीलता को भी चेक किया। व्यवस्थाएं ठीक पायी गयीं। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री प्रवीण तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

तत्पश्चात जिलाधिकारी ने नैनी में सम्गाणीय परिवहन की नव निर्मित भवन का भी निरीक्षण किया। वहां पर उन्होंने लाइसेंस कक्षा का निरीक्षण करते हुए लाइसेंस प्रतियोगिता कियेने लाइसेंस बनाये जाते हैं कि जांचकारी ली तथा निर्देश दिया कि लाइसेंस तथा परिवहन से सम्बंधित कार्यों में पारदर्शिता बनाये रखा जाये। इससे में बिचौलियों का हस्तक्षेप न होने पाये। उन्होंने वहां पर साफ-सफाई रखने तथा खाली स्थानों पर वृक्षारोपण भी किये जाने के निर्देश दिये हैं। इस अवसर पर आर0टी0ओ0 सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## बढ़े हुए गृहकर, जलकर के विरोध में गरजे कांग्रेसी

प्रयागराज। शहर कांग्रेस कमेटी ने आज बढ़े हुए गृह कर एवं वाटर टैक्स के विरोध में नगर निगम परिसर में धरना प्रदर्शन किया।

उक्त अवसर पर कांग्रेसियों ने धरना स्थल पर समा भी की सभा में बोलते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र अंशुमान ने कहा कि नगर निगम द्वारा परिवर्तन, परिवर्तन के बहाने हाउस टैक्स वाटर टैक्स सीवर टैक्स में अत्यधिक वृद्धि कर दी गई है जबकि नगर निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत नगर निगम द्वारा प्रदत्त मूलभूत नागरिक सुविधाओं की पतिवत्र उपेक्षा की जा रही है। श्री अंशुमान ने कहा कि शहर के विभिन्न मोहल्लों में साफ सफाई व्यवस्था अच्छी नहीं है मच्छरों का प्रकोप जारी है शहर के विभिन्न मोहल्लों में मुख्य सड़कों गलियां क्षतिग्रस्त हैं स्ट्रीट लाइट जगह-जगह बुझी है वर्तमान में नागरिक हाउस टैक्स वाटर टैक्स सीवर टैक्स में हुई वृद्धि से परेशान हैं। इसके बाद अगर नगर आयुक्त को एक ज्ञापन भी कांग्रेसियों ने सौंपा। जिसमें यह मांग की गई है कि नगर निगम द्वारा बढ़ाए गए गृह कर को समाप्त किया जाए तथा नया गृहकर मूल्यांकन नगर निगम चुनाव 2023 के उपरांत निर्धारण की कार्यवाही की जाए। गृहकर में नागरिकों को राहत हेतु ओटीएस योजना लागू की जाए वित्तीय वर्ष 2020 से नियम विरुद्ध बढ़ाए गए वाटर टैक्स वृद्धि को समाप्त किया जाए तथा नियमानुसार वाटर टैक्स निर्धारण सुनिश्चित किया जाए। मच्छरों के प्रकोप से नागरिकों को निजात दिलाया जाए। नगर निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत क्षतिग्रस्त सड़कों गलियों को मरम्मत कराई जाए। नगर निगम में ब्यात्र प्रचार दूर किया जाए। उक्त अवसर पर सर्वश्री उज्जवल शुक्ला, बाबा अमय अवस्थी, मोहम्मद असलम, मुकुंद तिवारी, परवेज अंसारी, अनूप सिंह, नफीस अनवर, मोहम्मद शहाब, आशोक सिंह, जिया उबैद, रवि प्रकाश, अल्पना निषाद, मीरा देवी, मोहम्मद इरफान, मानस शुक्ला, सत्या पांडेय, इरशाद उल्ला, निशांत रस्तोगी, राकेश शर्मा, मधुसूदन शहाब, इशरात अली, बमन रावत, निविंद दिक्षित, रेयाज अहमद, राज कुमार सिंह रज्जू, राम मनोहर मनोहर सरोज, राज कुमार शुक्ला, संजय शर्मा, नवन कुशवाहा, इशतियाक अहमद, अजय शर्मा, दयाशंकर त्रिपाठी, निविंद सिंह, राकेश पाठक, अंशुमान नाज, विनय पाण्डेय, अबदुल कलाम आजाद, अफरोज अहमद, परवेज मिर्जा, भरत लाल, राज कुमार कुशवाहा, रमेश सोनकर, शिव किशोर मिश्रा, नूतल कुंरीशी, निजामुद्दीन, प्रदीप वर्मा, आशा देवी, शीला रावत, भरत लाल, रमेश सोनकर, आशीष यादव, सतीश श्रीवास्तव, फहीम खान, मोहम्मद अरमान, मोनीता सक्सेना, मुन्ना यादव, गुलशन नेता, सोम राज वर्मा, आदि ने सम्बोधित किया।

## सनातन मानव सेवा संस्थान का सपरिवार होली मिलन व सह भोज कार्यक्रम हुआ संपन्न

सनातन मानव सेवा संस्थान प्रयागराज का सपरिवार होली मिलन व सह भोज कार्यक्रम सुहागन गेस्ट हाउस भवापुर करली प्रयागराज में सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में धूमधाम से संपन्न हुआ जिसमें विशेष अतिथि के तौर पर डॉ प्रेम शंकर, श्याम सुंदर सिंह पटेल, पार्षद राजेश कुमार कुशवाहा, शिवचरण सिंह आदि उपस्थित रहे अथवा सरजीत सिंह, तसलमान राजकुमार त्रिपाठी, संयोजन व स्वागत इंजीनियर विश्व चंद्र शुक्ला, डॉक्टर अजय मिश्रा, विनय मिश्रा, श्रीमती आशा त्रिपाठी आदि ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना व हनुमान चालीसा पाठ से शुरू हुआ संगीत कलाकारों की टीम राजेश यादव, सुनील सरगम, दीपेश पांडे, राजेश शर्मा, रामकरण यादव, अजय कुमार व एमपी दुबे ने संगीतमय सुमधुर वाद्य ध्वनि के साथ शुरू किया तत्पश्चात गुलाब की पंखुड़ियों की पुष्प वर्षा कर लोगों के माथे में अबीर का टीका लगाकर गले मिल एक दूसरे को होली व नव संवत्सर हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं व बधाइयां दिया मंच पर उपस्थित लोगों को गुलाबी पगड़ी वाला मुकुट पहनाकर स्वागत किया तथा झुमता माता की जय, वंदे मातरम्, सनातन मानव की जय, जय श्री राम, होलिका मैया की जय आदि नारों के बीच लोगों ने गीत गाया व नृत्य प्रस्तुत किया जिसमें प्रथम राधे मोहन शर्मा ने साज बाज के साथ लटिया गैले... रेलिया बैरन आदि को लिए जाएं रं... आदि कई गीतों से लोगों को मूक्या, नचाया व चर्यं नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समा बांधी व देर सारी तालियां बटोरी लगीं तो नेटों की च्योधार कर हारमोनियम मास्टर को व एमपी दुबे ने संगीतमय सुमधुर वाद्य ध्वनि के साथ शुरू

भी नृत्य प्रस्तुत किए छोटे-छोटे बच्चों ने डीजे के धुन पर नृत्य प्रस्तुत कर लोगों को तालियां बजाते व प्रशंसा करने के लिए मजबूर किया इसी तरह संगीत कलाकारों की टीम राजेश यादव, सुनील सरगम ने होली खेले अवध रघुवारी... होली खेले जाऊंगा बरसाने... केकरे संघ खेले होली... आदि गीतों व भजनों से लोगों को मन मुग्ध कर दिया कार्यक्रम के दौरान बीच-बीच में ठंडाई व जलपान की सेवाएं चलती रही इस अवसर पर डॉ प्रेम प्रकाश व श्याम सुंदर सिंह पटेल ने कहा कि कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहा आभार के गण बधाई के पात्र हैं ऐसे आयोजनों से आपसी सौहार्द, भाईचारा व एकता कायम होती है तथा कहुता समाज हो कर हर इंसान के अंदर मानवीय भाव जागृत होते हैं जिससे समाज व देश का विकास

## प्रेम के रंग में रंग जाने का नाम है होली

और भक्त और भगवान के बीच की एक विश्वास की डोर है होली है इस अवसर पर किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर काँशरिया नंदगिरी जी महाराज एवं विश्व हिंदू महासंघ के संभार प्रभारी राम प्रसाद यादव एवं भाजपा मोडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने कहा कि होली के पावन पर्व पर इष्ट्या और सुराई का त्याग कर प्रेम के रंग में रंग जाने का नाम है होली है कार्यक्रम के संयोजक विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष अमित केसरवानी रहे



प्रयागराज, विश्व हिंदू महासंघ के द्वारा मुद्दीगंज में आयोजित होली मिलन समारोह के अवसर पर होली की बधाई देते हुए भाजपा महानगर अ

इस अवसर पर कान्हा और बाी की फूलों की होली का मय नृत्य का आयोजन हुआ इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल प्रभारी राजकुमार केसरवानी, बजरंगी निषाद, सुनील केसरवानी, जिलाध्यक्ष मातृशक्ति प्रकाश, रोशनी अग्रवाल, स्वारिका भारद्वाज, प्रेमा श्रीवास्तव, पूनम तिवारी, अतुल खन्ना, बुजेंद्र त्रिपाठी, सत्यम जी महाराज, एवं सैकड़ों विश्व हिंदू महासंघ का गण उपस्थित रहे

## नगर निगम के स्वच्छता ब्रान्ड एम्बेसेडर राजेन्द्र कुमार तिवारी दुकानजी मन्दिरों के प्रधान पुजारियों से अपील कर रहे हैं



प्रयागराज नगर निगम द्वारा नवरात्र नव संवत्सर के प्रारम्भ होने से पहले सभी मन्दिरों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान कर आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की गन्दगी से परेशानी न हो सभी जोनल अधिकारी अपने अपने बाड़ों के साथ साथ जहाँ जहाँ छोटी बड़ी मन्दिर के पास अपने सफाई कर्मी की टीम सफाई बनाये रखने के लिए कहा नगर निगम की कुड़ा गाड़ी हर मन्दिरों के आसपास विशेष

स्वच्छता बनाये रखने के लिए साफ ही आसपास किसी प्रकार से पानी न जमा होने सफाई कर्मी की नाली साफ स्वच्छ बनाये रखने के लिये सफाई कर्मी लगाये गये हैं यही नगर निगम के स्वच्छता ब्रान्ड एम्बेसेडर राजेन्द्र कुमार तिवारी दुकानजी मन्दिरों के प्रधान पुजारियों से अपील कर रहे हैं कि अपने अपने मन्दिर के बाहर लिख कर टोंगे की मन्दिर के अन्दर पालिथिन प्रतबन्धित है लाये गये माला फूल सामग्री को कागज के टोंगे या कपड़े के थैले में लेकर अन्दर प्रवेश हो पालिथिन बाहर रखे डस्टबिन में डाले जिससे मन्दिर साफ स्वच्छ बना रहे शहर गली

## नव संवत्सर नवरात्रि में मन्दिरों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान सुरु दुकानजी

प्रयागराज नगर निगम द्वारा नवरात्र नव संवत्सर के प्रारम्भ होने से पहले सभी मन्दिरों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान कर आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की गन्दगी से परेशानी न हो सभी जोनल अधिकारी अपने अपने बाड़ों के साथ साथ जहाँ जहाँ छोटी बड़ी मन्दिर के पास अपने सफाई कर्मी की टीम सफाई बनाये रखने के लिए कहा नगर निगम की कुड़ा गाड़ी हर मन्दिरों के आसपास विशेष स्वच्छता बनाये रखने के लिए साफ ही आसपास किसी प्रकार से पानी न जमा होने सफाई कर्मी लगाये गये

लिपि हमेशा तत्पर है अगर किसी को कोई परेशानी दिक्कत हो तो आप अपने जोनल अधिकारी हिस्केटर सफाई नायक से सम्पर्क कर सकते हैं हम सभी सुरु होने वाले नव संवत्सर को बड़े धूमधाम से मनाये जायें शहर को साफ स्वच्छ बनाये स्वच्छता को मजबूती नहीं संस्कार में लाये शहर को 2023 स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत नवरात्र नव संवत्सर के अवसर पर नगर निगम का सहयोग करे यह जानकारी प्रेस को दुकानजी ने दिया



## 20 मार्च से 3 अप्रैल तक चलेगा पोषण पखवाड़ा, तहक अलग अलग आयोजन

प्रयागराज 20 मार्च 2023। बच्चों और महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार के लिये महिला एवं बाल विकास के निर्देश पर पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत नवगत मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज गौरव कुमार के मार्गदर्शन में रैली का आयोजन विकास भवन प्रयागराज से जिला कृषि अधिकारी सुभाष मौर्य व जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह व जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी ने रिबन काट कर पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ किया। रैली विकास भवन से प्रारम्भ होकर जिला पंचायत भवन पर समाप्त हुई। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने नारों और तस्त्रियों के माध्यम से लोगों को (मोटा अनाज) के उपभोग एवं प्रोत्साहन के क्रम में जागरूकता रैली निकाल कर किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह ने कार्यक्रम के दौरान बताया कि पोषण पखवाड़ा का आयोजन तीन अप्रैल तक चलेगा। स्वास्थ्य आयुष, पंचायती राज, कृषि विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग के साथ मिलकर आंगनवाड़ी केंद्रों पर सामुदायिक सहभागिता से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करया जा रहा है। आयोजन के दौरान पोषण पंचायत, पोषण रैली, वजन दिवस व मोटा अनाज के प्रयोग को बढ़ावा देने को प्रेरित किया गया। उन्होंने बताया कि बताया कि जनापद के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण पखवाड़ा में आयोजित स्वास्थ्य बालक बालिका सर्वाथ में 0 से 6 वर्ष आयु के बच्चों की लंबाई व वजन पोषण ट्रेकर पर की जायेगी। बताया कि मोटा अनाज में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीज, फास्फोरस, पोटैशियम और विटामिन की कालेज्य जैसे पोषक तत्व पाये जाते हैं। जो बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य के लिये बेहतर है। इसके साथ ही बालक स्तरीय स्थानीय सांग सन्धियों के आधार पर रैसिपी का प्रदर्शन एवं स्वास्थ्य केंद्रों तथा एएनएम सेंटर पर मोटा अनाज पर ध्यान केंद्रित करने वाली आहार पद्धतियों का प्रचारकता शिविर के आयोजन किये जायेंगे। स्वस्थ बालक बालिका सर्वाथ के अंतर्गत विद्यार्थी बच्चे के माता पिता को प्रमाण पत्र व पुरस्कार दिया जायेगा। इस दौरान बाल विकास अधिकारी संजीता सिंह, विमल चौबे तथा सभी सीडीपीओ, सुपर वाईजर एवं मुख्य सेविका कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## मुगल दौर में भी आगे रहा है रंगरेज समाज हाजी रईस साबरी रंगरेज

गौरखपुर। रंगरेज फाउंडेशन आफ इंडिया द्वारा आयोजित मण्डलीय सम्मेलन में रंगरेज समाज के उद्योग और तालीम क्षेत्र में कार्य करने के लिए सभी को लामबंद होने की आवश्यकता पर बल दिया गया इस मौके पर रंगरेज फाउंडेशन आफ इंडिया के संस्थापक निजामुद्दीन रंगरेज ने समाज के लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि रंगरेज समाज पिछड़े वर्ग के लोगों को हमेशा से इन्साफ दिलाने की दिशा में काम किया है। रंगरेज ने कहा कि रंगरेज फाउंडेशन अपनी विद्यार्थी के हक-मुकूफ दिलाने की कवालात करती है। वहीं अन्य पिछड़ी विद्यार्थियों को उनका बाह्य हक दिलाने के लिए संघर्षरत है। निजामुद्दीन रंगरेज ने समाज के नौजवानों का आह्वान करते हुए कहा कि रंगरेज समाज के नौजवानों की जिम्मेदारी है कि अपने समाज को बेहतर दिशा देने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। इस मौके पर हाजी मुनीर रंगरेज ने सम्मेलन में आये हुए सभी रंगरेज समाज के लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि रंगरेजों ने हमेशा से समाज को बेहतर रंग में रंगने का काम किया है। यही वजह रही कि लोग रंगरेज समाज पर विश्वास करते हुए अपने वज्ज पर रंग चढ़ाने का जिम्मा सौंपकर भरसा जाता है। उन्होंने बहुत सी बातें शायरी के लफ्जों में पिरोकर रंगरेज समाज को समझाने में कामयाब रहे। उन्होंने समाज को नसीहत देते हुए कहा कि रंगरेज सदियों से अपने कर्मा की बुनियाद पर अपने कारोबार को आगे बढ़ाते हुए समाजहित में स्थायित हुआ है। हाजी रंगरेज ने कहा कि गौरखपुर शहर एक ऐतिहासिक शहर है। गौरखपुर से रंगरेज फाउंडेशन द्वारा मण्डलीय सम्मेलन का आगाज हुआ है। इसी शहर से इन्सा अल्लाह समूचे उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में रंगरेज समाज के जागरूकता लाने के लिए सम्मेलन का सिलसिला जारी रहेगा सम्मेलन में शामिल होने आये रंगरेज फाउंडेशन आफ इंडिया के प्रदेश स्थापक एवं प्रवक्ता हाजी रईस साबरी रंगरेज ने हृदय की रोशनी में गुजरपू करते हुए कहा कि रंगरेज समाज मुगल दौर से ही समाज में मकबूल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के गौरशहाली इतिहास में रंगरेज समाज का अहम हिस्सा रहा है। ऐसे में रंगरेज समाज को सामाजिक तौर पर जीवन जीने के लिए तालीमी तरयवियन जरूरी है सम्मेलन की अध्यक्षता महबूब सरफिफ ने किया। संचालन का दायरिफ रहमानी की अध्यक्षता संघ के प्रदेश प्रमुख महासचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार मुर्तजा हुसैन रहमानी ने निभायी। इस मौके पर रंगरेज समाज आफ इंडिया के सम्मेलन संयोजक एवं मण्डल अध्यक्ष इस्सर अहमद रंगरेज ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में रंगरेज समाज के लोग सियासत में तकदीर और रस्वीर की नजीर पेश करने में कामयाब होंगे। इस मौके पर रंगरेज समाज के छात्र-छात्राओं को अनुशासित जीवन जीने की महत्ता के ज्ञान को अपने अधिकार, बरिष्ठ, सम्मान की सुरक्षा, जागरूक होने उज्जवल भविष्य और तरक्की के लिए संघर्ष की राह अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस अवसर पर रंगरेज फाउंडेशन आफ इंडिया की ओर से बहुत सारे लोगों को संगठन में पत्र देकर सुयोगित किया गया। इस मौके पर राइडिय संगठन मंडी हुसूमद रफीक रंगरेज, लखनऊ मण्डल के मण्डल अध्यक्ष मुहम्मद नियाज रंगरेज लखनऊ, रफीक अहमद रंगरेज पप्पू फिरोज अहमद रंगरेज, कल्लन रंगरेज आरार, शरीफ रंगरेज फिरोजाबाद, रफीक रंगरेज कानपुर, वजीर अली रंगरेज कसबा, नफीस आदम रंगरेज, इब्रार अहमद, मेरज अहमद रंगरेज, नसीर अहमद रंगरेज, मुहम्मद रफी रंगरेज, हाजी मुहम्मद खालिद, मुहम्मद सुलतान रंगरेज, मुहम्मद असलम सक्कबा रंगरेज, बशीरुद्दीन रंगरेज एडवोकेट, मुहम्मद युनुस रंगरेज, मुहम्मद अमन रंगरेज, खुशीद आलम कसबा, मुहम्मद आरिफ रंगरेज, मुहम्मद आरिफ रंगरेज, मुहम्मद युनुस रंगरेज, अब्दुल अहमद रंगरेज, मुहम्मद कासिम रंगरेज, मुहम्मद सारिक रंगरेज लखनऊ, मुहम्मद रईस रंगरेज कानपुर, रशीद अहमद रंगरेज लल्लू, मुहम्मद खालिद रंगरेज, मुहम्मद आरिफ रंगरेज एवं हाजी तारिक रंगरेज सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

### सम्पादकीय

## रिश्ते को अब कुछ बचे है



आज के इस समय सार रिश्ते लुप्त होने लगे हैं किसी के पास समय नहीं है। ऐसे समय आज भी कुछ लोग रिश्ते को कितनी महत्व देते हैं यह देख सचमुच अच्छा लगता है जी आज बहुत बहुत ही

कम देखा जाता है चुना जाता है मेरे भाई साहब बड़े आदरणीय राम प्रसाद जी त्रिवेदी मेरे पिता के, मित्र के और छोटे भाई के सभी रिश्ते को निभाते हैं। प्रतिदिन शाम उनके निवास पर मेरा एक घण्टे तक हम और मेरी अन्ध अन्ध। अवशेष जी त्रिवेदी, शिव प्रसाद त्रिवेदी मिलते हैं एक मित्र की तरह सालों से बड़े भाई साहब राम प्रसाद जी के निवास पर वे मेरे लिए सदा ही पानी का इंतजाम किया करते हैं मुझे पानी पीने की खूब आदत है और परिवार की कोई भी परेशानी हो मिल कर हल निकलते हैं यही नहीं मुझे कहीं किसी आयोजन में जाना है तो सालों से मैं उनके कपड़े पहनकर ही जाता हूँ यहाँ तक कि उनके चप्पल भी कई बार मेने सालों से कोई कपड़े नहीं खरीदे मुझे कोई शोक नहीं पर उनका कहना रहता है तू आयोजन का मुख्य अतिथि है सभी कि नजारे तेरे ऊपर रहेंगी जिससे बुलाया उनका सम्मान नही उनके सजे सजे जाना पड़ता है मुझे भी सही बात लगी बस कहीं भी जाना होता उन्हीं के कपड़े पहनकर जाता हूँ वेसे बहुत बहुत ही कम स्वीकार करता हूँ आमंत्रित करने पर पर समय नहीं मिल पाते हैं इतना ही नहीं कभी किसी दिनांक। उनको घर समय पर नहीं जाना हो पाता परिवार के दासिल मैं तो वे खुद चले आते हैं यह जानने की मे अच्छा तो हूँ आज के समय में किसी प्रतिदिन समय मिलता है फिर रिश्ते कोई भी हो पर अच्छा लगता है आज भी कुछ लोग इन रिश्ते को समझते हैं, महत्व देते हैं। पिता के जाने के बाद बड़े भाई को पिता माना जाता है बहुत कम उस रिश्ते को निभा पाते हैं पर मेरा बड़े भाई साहब सभी रिश्ते को समझते।

बेचुबी निभाते हैं और पूरा प्यार देते हैं। ये सब लिखते अच्छा लग रहा है कि चाहता है सभी इन सभी रिश्ते को पुरी आस्था और निष्ठा से निभाते हुए जीवन बिताये यही आपको सुख सुकून में सन्तुष्ट अंतिम समय बहुत ही राहत और अच्छा महसूस करता है। डॉ. रामशंकर चंचल झापुरा मध्य प्रदेश

## स्वस्थ रहने के लिए हर दिन थोड़ी एक्सरसाइज अवश्य करें



हेल्दी रहने के लिए अच्छा खासा जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है एक्सरसाइज करना। वर्कआउट के जरिए आप ना केवल खुद को फिट रख सकते हैं, बल्कि यह आपकी बाँधी की रूढ़ि को भी बढ़ाता है। इतना ही नहीं, यह आपकी मसलस बेचडअप से लेकर बाँधी बैलेसिंग आदि को भी बेहतर बनाता है। इसलिए, यह जरूरी है कि आप हर दिन थोड़ी एक्सरसाइज अवश्य करें। हालांकि, एक्सर देखने में आता है कि हम कुछ को फिट बनाने के लिए खुद से ही एक्सरसाइज शुरू करते हैं, लेकिन उससे हमें कुछ खास बेनिफिट नहीं मिलता। कभी-कभी तो खुद से एक्सरसाइज करने से आपको फायदे की जगह नुकसान उठाना पड़ सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप एक अच्छे फिटनेस ट्रेनर को हायर करें। हो सकता है कि आपको ऐसा लग रहा हो कि फिटनेस ट्रेनर को हायर करने से आपको अतिरिक्त पैसे खर्च करने पड़ें और शायद इसलिए आप अपने पैसे बचाने के लिए फिटनेस ट्रेनर को हायर ना करना चाहते हों। लेकिन क्या आपको पता है कि फिटनेस ट्रेनर को हायर करने से आपको कई बेहतरीन लाभ मिलते हैं, जिसके बारे में आज मैं आपको बताऊँगा यूं तो फिट रहने के लिए कई तरह के वर्कआउट किए जा सकते हैं।

आकाश पटेल जो फिटनेस मिस्टर दिल्ली एवं मिस्टर मध्यप्रदेश रह चुके हैं और अपने वेब कैटेगिरी में और जो डिवीन फिटनेस क्लब में मैनेजर हैं और साथ ही पर्सनल फिटनेस ट्रेनिंग और ऑनलाइन ट्रेनिंग भी देते हैं, कहते हैं कि एक ही एक्सरसाइज को भी कई तरह के वैरिएशन से किया जाता है। कारणों को जानने के बाद आप भी जरूर हायर करना होता फिटनेस ट्रेनर। ऐसे में आपके लिए कोन सी एक्सरसाइज किस तरह से करने से बेहतर रिजल्ट मिलेगा, इसके बारे में आमतौर पर लोगों को पता नहीं होता। इस स्थिति में फिटनेस ट्रेनर को हायर करना आपके लिए लाभदायक होगा। एक फिटनेस ट्रेनर आपकी रूढ़ि और हेल्थ इश्यूज को ध्यान में रखकर आपके लिए वर्कआउट प्लान करते हैं। जिसके कारण आपको अपने शरीर को जरूरत से ज्यादा पुरा नहीं करना पड़ता और आपको एक बेहतर रिजल्ट मिलता है।

आकाश पटेल, फिटनेस क्लब, मैनेजर मोपाल (मध्यप्रदेश) 8770802695



अस्पताल में भर्ती कोरोना संक्रमित अवनिक के पापा की हालत दिन ब दिन गभीर होती जा रही थी। अस्पताल के बाहर रोगी बीमारों की भीड़ लगी थी। लेकिन खाली बेड उपलब्ध न होने के कारण चिकित्सक मरीजों को भर्ती करने में असमर्थ थे। और जो भर्ती थे उपचार करने के बावजूद संक्रमण खतरनाक हो जाने के कारण उनको हाल भी अफि इक बेहतर नहीं थे। अस्पताल में मरीजों की मोत के बाद राते पीटते तीमारदारों की हालत देखकर कारीडोर में खड़ी अवनिक का जी भी हलका हुआ जा रहा था। पी पी फिट पहने पूरी तरह से चाक चौबंद सामने डा. खुराना को आते देख कर वह उनकी ओर लपकी और हाथ जोड़कर विनती करते हुए बोली कि—

प्लीज डा अंकल आप मेरे पापा को बचा लीजिए। मैं उनको इलाज के लिए सारे प्रयत्न करूँगी। भोरे पापा ही मेरा आखिरी सहारा है उन्हें कुछ हो गया तो मैं भी नहीं जी सकूँगी।

सिसकती बेबस अवनिक अपने पापा के मित्र डा. खुराना साहब से उम्मीद लगाए गुहार कर रही थी। अब तक बँधा सब का बँधा टूट चुका था। अस्पताल में मरीजों के परिजनों की हालत देखकर दिल में उमड़ घुमड़ रही दबी भावनाओं का उचार जाता वह चला और रोते-रोते अवनिक चिकित्सक खुराना के पैरों पर झुकती चली गई।

अरे, अरे, उठो बेटी! प्छेखी बेटी तुम परेशान मत हो! फहमसे जो भी बन सकता है। वो सब कुछ हम कर रहे हैं। फहम लोग उन्हें बचाने की पूरी कोशिश में लगे हैं। किंतु ईश्वर की मर्जी के आगे हम चिकित्सक भी हार जाते हैं। डा. खुराना ने अपने मित्र रमेश की बेटी अवनिक को कांधे से पकड़ कर ऊपर उठाया। वह अवनिक की होंसला अफजाई करते रहे। अवनिक को ले जा कर नजदीक पड़ी बँच पर बिठाया। हाथ में पकड़ी पानी की बोतल से पानी पिलाकर धैर्य बँधाया। वह कुछ देर सोचने के बाद अवनिक से बोले कि—

अवनिक बेटी तुम पड़ी लिखी नौकरीपेशा और बहुत समझदार लड़की हो। तुम विन मर्ती की बच्ची हो जिसका लालन-पालन रमेश ने माँ बाप दोनों की जिम्मेदारी समझते हुए किया है। उसने तुम्हें हमेशा बेटी नहीं बेटा माना है। और वेसे ही गुण तुम्हारे भीतर रोपित भी किये हैं।

अवनिक बेटी तुम पड़ी लिखी नौकरीपेशा और बहुत समझदार लड़की हो। तुम विन मर्ती की बच्ची हो जिसका लालन-पालन रमेश ने माँ बाप दोनों की जिम्मेदारी समझते हुए किया है। उसने तुम्हें हमेशा बेटी नहीं बेटा माना है। और वेसे ही गुण तुम्हारे भीतर रोपित भी किये हैं।

अवनिक बेटी तुम पड़ी लिखी नौकरीपेशा और बहुत समझदार लड़की हो। तुम विन मर्ती की बच्ची हो जिसका लालन-पालन रमेश ने माँ बाप दोनों की जिम्मेदारी समझते हुए किया है। उसने तुम्हें हमेशा बेटी नहीं बेटा माना है। और वेसे ही गुण तुम्हारे भीतर रोपित भी किये हैं।

### बेबस का मसीहा

होता था तब रमेश हमेशा तुम्हारी हिम्मत और दिलेरी की बातें सुनाकर प्रशंसा के पुल बाँध दिया करता था। श्वसिलिए मैं समझता हूँ कि तुम अपनी जिम्मेदारी की भावना को बखूबी समझोगी। अपने मन में किसी भी तरह से निराशा को स्थान नहीं दोगी। रमेश भी यही चाहता है इसलिए

बेटी मैं तुम्हें अंधेरे में नहीं रखना चाहता। मैं तुम्हें सच बता रहा हूँ कि रमेश को फेफड़ों की हालत बहुत खराब हो चुकी है। अभी एक दो दिन पहले जब पूरे शहर और अस्पताल में आक्सिजन सिलेंडर का अकाल सा पड़ गया था। तब उसको फेफड़ों को आक्सिजन की सख्त आवश्यकता थी। आक्सिजन गैस सिलेंडर को फेफड़ों से मिलने के कारण उसको फेफड़े पूरी तरह से निकटु जड़े फूट गये। फेफड़ों में तेजी से फैले संक्रमण के कारण अब फेफड़े आक्सीजन लेने की हालत में नहीं रहे। ये क्या कह रहे हैं आप अंकल?

प्लीज आप एक बार मुझे उनसे मिलने को दीजिए। परेशान अवनिक का दिल जैसे हलक में उछल कर आ गया। प्छेखी, बेटी नहीं! मुझे उससे अभी नहीं मिल सकती। संक्रमण फैलने से रोकने की खातिर आई सी यू में दस चिकित्सक के अलावा किसी को भी अन्दर जाने की अनुमति नहीं है।

कहते-कहते अपने दोस्त रमेश के लिए डा. खुराना की आँखों में आँसू छलक पड़े। रमेश की बेटी का मन कमजोर न हो जाए। इसीलिए उन आँसूओं को छलकने से रोकने के प्रयास में उनको गले में गोले से अटकने लगे वह तेजी से मुड़े और अन्दर आई सी यू की ओर बढ़ चले।

मजबूर अवनिक डा अंकल की बात सुनकर सदमे की सी हालत में आ गई। उसे समझ नहीं आ रहा था कि भावना केंसी परीक्षा ले रहे हैं?

मम्मी को तो बहुत पहले ही छीन चुके हैं और अब पापा की जान भी खतरे में है। अवनिक को कुछ हाथ के लिए लगा कि उसके अंगों को जैसे लकवा मार गया है। उसके हाथ पैरों और आंग हम चिकित्सक भी हार जाते हैं।

आँसू फिर वहीं हुआ जिस डर के सन्ने में अवनिक शाम तक यूँ ही बेटी रही थी। आखिर नर्स के द्वारा उसे वो डीरे खबर सुनने को मिल गयी। उसको पापा इस दुनिया को छोड़ कर जा चुके हैं।

प्लीज मैं नहीं! पापा आप ऐसा नहीं कर सकते। आप मुझे अकेले छोड़ कर नहीं जा सकते पापा। अवनिक बुरी तरह चीखी और दहाड़े मारकर निडाळ हो गई। उसको पापा के हालचाल लेने आई आँसू की सहेली ने उसे सहारा देकर समौला।

सीलबंद बाड़ी स्टू घर पर बाहर आई और अवनिक के चाचाजी और अन्य परिजनों को सौंप दी गई। एक बार मुझे पापा का चेहरा तो देख लेने दो चाचाजी। सिसकती अवनिक बहुत मजबूर महसूस कर रही थी।

आज अवनिक समाज के मजबूर दीन हीन अभावग्रस्त दुखी लोगों के लिए मसीहा बनकर उभरी। वह लोगों के जीवन में उनकी संजीवनी बन चुक मिटाने की दवा बन चुकी थी।

ए सीमा गर्ग मंजरी मेरी स्मृति रचना मेरे स्वर प्रवेश

परिजनों को सौंप दी गई। एक बार मुझे पापा का चेहरा तो देख लेने दो चाचाजी। सिसकती अवनिक बहुत मजबूर महसूस कर रही थी।

आजकल के जमाने में विक्रय विधि का एक तरीका हो गया है कि किसी चीज की बिक्री बढ़ानी हो तो लालच दे दे। जिससे चीज की बिक्री हो जायेगी। ठीक इसी तरह राग - ट्रेष आदि को हम बढ़ायेगे तो उसके साथ हमारे कर्मों का बचन तैयार है। अपरिहार रहित होंगे व जीवन जीयेगे तो आगे के लिये मिला की सीढ़ी तैयार है। बचन क्या छूटा कि मन की पवित्रता और निश्चलता भी छूट गयी कारण कछे पर जिम्मेवारी आ आर्थिक जगत की अंधी दौड़। वर्तमान युग हो गया भौतिकतावाद और टेनॉनॉली का एक। इसका ही कार्य बनता हो गयी दस आदमी जितनी एक

अधिकतर ईसाई लोग या फिर विदेशी से एम्बुलेंस के आ जाने पर सीलबंद बाड़ी रमेशान घाट पर ले जाई गई। अधिकतर ईसाई लोग या फिर विदेशी से एम्बुलेंस के आ जाने पर सीलबंद बाड़ी रमेशान घाट पर ले जाई गई। अधिकतर ईसाई लोग या फिर विदेशी से एम्बुलेंस के आ जाने पर सीलबंद बाड़ी रमेशान घाट पर ले जाई गई।

चाचाजी को परिवार और अन्य परिजनों ने ऐसे समय में अवनिक का पूरा सान रखा। पापा अब हमारे साथ नहीं है इस सच्चाई का सामना करने के बाद अवनिक काफी संतुल चुकी थी।

अवनिक का जैसे एक नये रूप में जन्म हुआ। अवनिक को खोने का दर्द किसी भी इंसान के दिल दिमाग को कितना बेबस और मजबूर करता है इस दर्द को अन्तिम स्वयं झेल चुकी थी। अतः वह चाहती थी कि जैसा दर्द मैंने मेरे दिमाग में रोझा है। ऐसी स्थिति में कोई मजबूर व्यक्ति कँसा था तो उसे आवश्यकतानुसार अवश्य ही सहारा मिलना चाहिए। भगवान भी इंसान को ही इंसान की सहायता के लिए भेजते हैं। इसीलिए उसने मैडिकल कॉलेज के विशेष प्रबंधक से मिलकर पढ़ाई-लिखाई करने में ही शक्ति मिलेगी, नर्स बनने के इच्छुक कुछ लड़के, लड़कियाँ की फ्रीस बनने पर चिन्ता से डोनेशन करवाकर जमा कराई थी। बहुत देर तक निश्चल उसी बँच पर बैठी रह गई।

अवनिक ने अस्पताल में जीवन करके मरीजों की जानकार की जुटाई और जहाँ जिस मरीज को जैसी जरूरत होती उसे वैसी ही गैस सिलेंडर जीवन रक्षक दवाईयाँ भोजन पूरे खाने पीने आदि की व्यवस्था का इंतजाम अपनी दे देखे ख

कराने लगी। आज अवनिक समाज के मजबूर दीन हीन अभावग्रस्त दुखी लोगों के लिए मसीहा बनकर उभरी। वह लोगों के जीवन में उनकी संजीवनी बन चुक मिटाने की दवा बन चुकी थी।

ए सीमा गर्ग मंजरी मेरी स्मृति रचना मेरे स्वर प्रवेश

### आजकल की विक्रय विधि



समय था कि प्रायः हर व्यक्ति सादा जीवन उच्च विचार की धारा में चलते थे। प्रा-पूरा परिवार एक साथ आँगन में बैठ कर एक ही थाली में खाते थे। प्रायः ज्यदादा खाँहसी थी और ही मन में किसी तरह की ईर्दमानी घर के मेन गेट पर ना ताले होते थे और ना ही गहने रखने के लिये बैंक लॉकर। समय बदला, इंसान के सोच का तरीका भी बदल गया। हर इंसान पैसों के पीछे

आजकल के जमाने में विक्रय विधि का एक तरीका हो गया है कि किसी चीज की बिक्री बढ़ानी हो तो लालच दे दे। जिससे चीज की बिक्री हो जायेगी। ठीक इसी तरह राग - ट्रेष आदि को हम बढ़ायेगे तो उसके साथ हमारे कर्मों का बचन तैयार है। अपरिहार रहित होंगे व जीवन जीयेगे तो आगे के लिये मिला की सीढ़ी तैयार है। बचन क्या छूटा कि मन की पवित्रता और निश्चलता भी छूट गयी कारण कछे पर जिम्मेवारी आ आर्थिक जगत की अंधी दौड़। वर्तमान युग हो गया भौतिकतावाद और टेनॉनॉली का एक। इसका ही कार्य बनता हो गयी दस आदमी जितनी एक

### रानी बेलु नाचियार



भारत की आजादी के वीरंगना बेलु नाचियार हैं। दक्षिण तमिल प्रदेश के हैं। सेतु नाडु र कहलाया गया रामनाथपुरम। ( रामेश्वरम के निकट) के राजाश्री शैलमुत्तु विजय रघुनाथ सेतुपति की एक मात्र पुत्री बेलुनाचि का जन्म सन् 1730 में हुआ था। राजा सेतुपति ने अपनी पुत्री को माँ का भी प्यार देकर पाला था, क्योंकि बेलुनाचि की छोटी उम्र में ही माँ का देहन्त हो चुका था। दूरदर्शी राजा के मार्गदर्शन में बेलुनाचि ने अन्व - शरन् प्रवीणता पाई। मातृभाषा तमिल के साथ - साथ तेलुगु, कन्नड, मलयालम, पारस व अंग्रेजी भाषाओं की पारंगतता बेलुनाचि का ज्ञान था। राजकाज का भी उससे अछूता नहीं था। जब वह तेरह वर्ष की थी तब राजमहल के पांगण में ही उसने अपने गुरु वैदेविल से लाठी चलाने की कला में लोहा मनावाया था। काल चक्र घूमता गया। शिवगंगा बेलुनाचि के 5 वर्ष पूरे हुए। सन् 1750 में शिवगंगा के राजा शशिवर्ण देव की मृत्यु किसी षडयन्त्र से हुई थी। पुत्र पिताश्री के देहांतोपरान्त राजकुमार मुत्तुवडुगनाथ पर विराजमान हुए। राजकुमारी बेलुनाचि भी अब रानी बेलुनाचि कहलाने लगी थी। रामनाथपुरम के राजमहल र रामसिल मंगल कार्य हेतु रही थी। बेलुनाचि की सगाई शिवगंगा रियासत के राजकुमार मुत्तुवडुगनाथ के साथ हुई थी। उस समय वह केवल 16 वर्ष की थी। राजकुमार श्री 18 वर्ष के थे। दोनों राजपरानों की सहमति इस बात पर बनी कि शुभ कार्य में विलंब न हो। तदनुसार बेलुनाचि मुत्तुवडुगनाथ का विवाह भी शीघ्र ही सम्पन्न

समय था कि प्रायः हर व्यक्ति सादा जीवन उच्च विचार की धारा में चलते थे। प्रा-पूरा परिवार एक साथ आँगन में बैठ कर एक ही थाली में खाते थे। प्रायः ज्यदादा खाँहसी थी और ही मन में किसी तरह की ईर्दमानी घर के मेन गेट पर ना ताले होते थे और ना ही गहने रखने के लिये बैंक लॉकर। समय बदला, इंसान के सोच का तरीका भी बदल गया। हर इंसान पैसों के पीछे

रानी बेलुनाचि ने सत्ता परियर्तन का समाचार पाकर झंझुकर ( मध्य तमिल प्रदेश का एक) राज्य के नरेश प्रतापसिंह ने ( हनुमन्तकुडि गाँव) जो रामनाथपुरम और शिवगंगा रियासतों के लिए आस्थापित था, उसपर चढाई कर दी। उसका सामना रामनाथपुरम व शिवगंगा की अन्दन - अलग सेनाएँ एकजुट होकर करने लगी। इस युद्ध में वेद्रीवेल ने ( जो बेलुनाचि को लाठी चलाने की कला में निपुण बना चुका था तथा शिवगंगा में राणी बेलुनाचि का अग्र रक्षक बनकर मौजूद था) अपनी वीरता के झण्डे गाड़े थे जिसकी चर्चा बहुत खली थी। नव दम्पति अलग अलग - मिलन हेतु निकटस्थ कुदालम र जलप्रपात की सैर करने गये। 1730 में हुआ था। राजा सेतुपति ने अपनी पुत्री को माँ का भी प्यार देकर पाला था, क्योंकि बेलुनाचि की छोटी उम्र में ही माँ का देहन्त हो चुका था। दूरदर्शी राजा के मार्गदर्शन में बेलुनाचि ने अन्व - शरन् प्रवीणता पाई। मातृभाषा तमिल के साथ - साथ तेलुगु, कन्नड, मलयालम, पारस व अंग्रेजी भाषाओं की पारंगतता बेलुनाचि का ज्ञान था। राजकाज का भी उससे अछूता नहीं था। जब वह तेरह वर्ष की थी तब राजमहल के पांगण में ही उसने अपने गुरु वैदेविल से लाठी चलाने की कला में लोहा मनावाया था। काल चक्र घूमता गया। शिवगंगा बेलुनाचि के 5 वर्ष पूरे हुए। सन् 1750 में शिवगंगा के राजा शशिवर्ण देव की मृत्यु किसी षडयन्त्र से हुई थी। पुत्र पिताश्री के देहांतोपरान्त राजकुमार मुत्तुवडुगनाथ पर विराजमान हुए। राजकुमारी बेलुनाचि भी अब रानी बेलुनाचि कहलाने लगी थी। रामनाथपुरम के राजमहल र रामसिल मंगल कार्य हेतु रही थी। बेलुनाचि की सगाई शिवगंगा रियासत के राजकुमार मुत्तुवडुगनाथ के साथ हुई थी। उस समय वह केवल 16 वर्ष की थी। राजकुमार श्री 18 वर्ष के थे। दोनों राजपरानों की सहमति इस बात पर बनी कि शुभ कार्य में विलंब न हो। तदनुसार बेलुनाचि मुत्तुवडुगनाथ का विवाह भी शीघ्र ही सम्पन्न

करती थीं। किसी दिन रानी को पता चला कि अपने राज्य में दलितों और पतितों के साथ अत्याचार और अमद व्यवहार का बोलबाला है। किसी भी जाति विशेष के साथ शिवगंगा में अन्धाय हो और उस पर अँधेरे मूँद ले, यह रानी नाचि को गवारा नहीं था। उसे यह भी पता चला कि हनुमन्तकुडि के रामर में दलितों ने पण्यौत योगदान भी दिया था। ऐसे में नरेश के शशिवर्णमंदिर में प्रवेश से दलितों को रोक जा रहा था। रानी ने अपने पतिवद राजा मुत्तुवडुगनाथ का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था। राजा ने सम्बन्धित सब लोगों को यह आज्ञा दी थी कि दिवंगम राजा के शासन - काल में जो नीति मंदिर प्रवेश के सम्बन्ध में थी, उसका बरकरार रखा जाय। इस तरह दलितों और पतितों को भी मंदिर में प्रवेश और पूजा का अधिकार लौटा दिया गया था। किसी समय आकट के जवान चन्दा साहब के साथ हुए युद्ध में हारे मरुंरे के राजा वंगालतमिल और उसका पुत्र विजयकुमार भी शिवगंगा में दी थी। युद्ध में नवाब के सिपाहसालार को हराकर शिवगंगा के राज के हार मरुंरे को पुनः पिता - पुत्र को सौंप गया था। हनुमन्तकुडि में जन्म हुआ था, उसकी उम्र नव तंजाऊर के नरेश के दिल में रह रहकर सता रही थी। सन् 1755 में उसने पुनः आक्रमण करने का मन बनाकर मराठी सेना से सम्झौता कर लिया था। मराठी सेना के सहजोग से उसने हनुमन्तकुडि का एक हिस्सा हड्ड लिया था। इसका दो टुक़ जवाब देने के लिए फिर से रामनाथपुरम - शिवगंगा की सेनाएँ निकल पड़ीं। परंतु आश्चर्य की बात थी कि अन्व की मराठी तंजाऊर की सेनाएँ लड़ने के बजाए शांति का प्रवचन करने में लेकर विरोधी सेना के सामने दिखाई दीं। अन्वर की बात यह थी कि फिरंगी भेदियों से हथ मिलाने के कारण ही यह शांति का नाटक खेला गया था। इसका परिणाम यह था कि मरुंरे मुन्ध्यालय से फिरंगी सेनापति हेरान ने अश्वारोहण कला में भी कीर्ति प्राप्त थी। उस समय वह केवल 16 वर्ष की थी। राजकुमार श्री 18 वर्ष के थे। दोनों राजपरानों की सहमति इस बात पर बनी कि शुभ कार्य में विलंब न हो। तदनुसार बेलुनाचि मुत्तुवडुगनाथ का विवाह भी शीघ्र ही सम्पन्न

करती थीं। किसी दिन रानी को पता चला कि अपने राज्य में दलितों और पतितों के साथ अत्याचार और अमद व्यवहार का बोलबाला है। किसी भी जाति विशेष के साथ शिवगंगा में अन्धाय हो और उस पर अँधेरे मूँद ले, यह रानी नाचि को गवारा नहीं था। उसे यह भी पता चला कि हनुमन्तकुडि के रामर में दलितों ने पण्यौत योगदान भी दिया था। ऐसे में नरेश के शशिवर्णमंदिर में प्रवेश से दलितों को रोक जा रहा था। रानी ने अपने पतिवद राजा मुत्तुवडुगनाथ का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था। राजा ने सम्बन्धित सब लोगों को यह आज्ञा दी थी कि दिवंगम राजा के शासन - काल में जो नीति मंदिर प्रवेश के सम्बन्ध में थी, उसका बरकरार रखा जाय। इस तरह दलितों और पतितों को भी मंदिर में प्रवेश और पूजा का अधिकार लौटा दिया गया था। किसी समय आकट के जवान चन्दा साहब के साथ हुए युद्ध में हारे मरुंरे के राजा वंगालतमिल और उसका पुत्र विजयकुमार भी शिवगंगा में दी थी। युद्ध में नवाब के सिपाहसालार को हराकर शिवगंगा के राज के हार मरुंरे को पुनः पिता - पुत्र को सौंप गया था। हनुमन्तकुडि में जन्म हुआ था, उसकी उम्र नव तंजाऊर के नरेश के दिल में रह रहकर सता रही थी। सन् 1755 में उसने पुनः आक्रमण करने का मन बनाकर मराठी सेना से सम्झौता कर लिया था। मराठी सेना के सहजोग से उसने हनुमन्तकुडि का एक हिस्सा हड्ड लिया था। इसका दो टुक़ जवाब देने के लिए फिर से रामनाथपुरम - शिवगंगा की सेनाएँ निकल पड़ीं। परंतु आश्चर्य की बात थी कि अन्व की मराठी तंजाऊर की सेनाएँ लड़ने के बजाए शांति का प्रवचन करने में लेकर विरोधी सेना के सामने दिखाई दीं। अन्वर की बात यह थी कि फिरंगी भेदियों से हथ मिलाने के कारण ही यह शांति का नाटक खेला गया था। इसका परिणाम यह था कि मरुंरे मुन्ध्यालय से फिरंगी सेनापति हेरान ने अश्वारोहण कला में भी कीर्ति प्राप्त थी। उस समय वह केवल 16 वर्ष की थी। राजकुमार श्री 18 वर्ष के थे। दोनों राजपरानों की सहमति इस बात पर बनी कि शुभ कार्य में विलंब न हो। तदनुसार बेलुनाचि मुत्तुवडुगनाथ का विवाह भी शीघ्र ही सम्पन्न

करती थीं। किसी दिन रानी को पता चला कि अपने राज्य में दलितों और पतितों के साथ अत्याचार और अमद व्यवहार का बोलबाला है। किसी भी जाति विशेष के साथ शिवगंगा में अन्धाय हो और उस पर अँधेरे मूँद ले, यह रानी नाचि को गवारा नहीं था। उसे यह भी पता चला कि हनुमन्तकुडि के रामर में दलितों ने पण्यौत योगदान भी दिया था। ऐसे में नरेश के शशिवर्णमंदिर में प्रवेश से दलितों को रोक जा रहा था। रानी ने अपने पतिवद राजा मुत्तुवडुगनाथ का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था। राजा ने सम्बन्धित सब लोगों को यह आज्ञा दी थी कि दिवंगम राजा के शासन - काल में जो नीति मंदिर प्रवेश के सम्बन्ध में थी, उसका बरकरार रखा जाय। इस तरह दलितों और पतितों को भी मंदिर में प्रवेश और पूजा का अधिकार लौटा दिया गया था। किसी समय आकट के जवान चन्दा साहब के साथ हुए युद्ध में हारे मरुंरे के राजा वंगालतमिल और उसका पुत्र विजयकुमार भी शिवगंगा में दी थी। युद्ध में नवाब के सिपाहसालार को हराकर शिवगंगा के राज के हार मरुंरे को पुनः पिता - पुत्र को सौंप गया था। हनुमन्तकुडि में जन्म हुआ था, उसकी उम्र नव तंजाऊर के नरेश के दिल में रह रहकर सता रही थी। सन् 1755 में उसने पुनः आक्रमण करने का मन बनाकर मराठी सेना से सम्झौता कर लिया था। मराठी सेना के सहजोग से उसने हनुमन्तकुडि का एक हिस्सा हड्ड लिया था। इसका दो टुक़ जवाब देने के लिए फिर से रामनाथपुरम - शिवगंगा की सेनाएँ निकल पड़ीं। परंतु आश्चर्य की बात थी कि अन्व की मराठी तंजाऊर की सेनाएँ लड़ने के बजाए शांति का प्रवचन करने में लेकर विरोधी सेना के सामने दिखाई दीं। अन्वर की बात यह थी कि फिरंगी भेदियों से हथ मिलाने के कारण ही यह शांति का नाटक खेला गया था। इसका परिणाम यह था कि मरुंरे मुन्ध्यालय से फिरंगी सेनापति हेरान ने अश्वारोहण कला में भी कीर्ति प्राप्त थी। उस समय वह केवल 16 वर्ष की थी। राजकुमार श्री 18 वर्ष के थे। दोनों राजपरानों की सहमति इस बात पर बनी कि शुभ कार्य में विलंब न हो। तदनुसार बेलुनाचि मुत्तुवडुगनाथ का विवाह भी शीघ्र ही सम्पन्न

करती थीं। किसी दिन रानी को पता चला कि अपने राज्य में दलितों और पतितों के साथ अत्याचार और अमद व्यवहार का बोलबाला है। किसी भी जाति विशेष के साथ शिवगंगा में अन्धाय हो और उस पर अँधेरे मूँद ले, यह रानी नाचि को गवारा नहीं था। उसे यह भी पता चला कि हनुमन्तकुडि के रामर में दलितों ने पण्यौत योगदान भी दिया था। ऐसे में नरेश के शशिवर्णमंदिर में प्रवेश से दलितों को रोक जा रहा था। रानी ने अपने पतिवद राजा मुत्तुवडुगनाथ का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था। राजा ने सम्बन्धित सब लोगों को यह आज्ञा दी थी कि दिवंगम राजा के शासन - काल में जो नीति मंदिर प्रवेश के सम्बन्ध में थी, उसका बरकरार रखा जाय। इस तरह दलितों और पतितों को भी मंदिर में प्रवेश और पूजा का अधिकार लौटा दिया गया था। किसी समय आकट के जवान चन्दा साहब के साथ हुए युद्ध में हारे मरुंरे के राजा वंगालतमिल और उसका पुत्र विजयकुमार भी शिवगंगा में दी थी। युद्ध में नवाब के सिपाहसालार को हराकर शिवगंगा के राज के हार मरुंरे को पुनः पिता - पुत्र को सौंप गया था। हनुमन्तकुडि में जन्म हुआ था, उसकी उम्र नव तंजाऊर के नरेश के दिल में रह रहकर सता रही थी। सन् 1755 में उसने पुनः आक्रमण करने का मन बनाकर मराठी सेना से सम्झौता कर लिया था। मराठी सेना के सहजोग से उसने हनुमन्तकुडि का एक हिस्सा हड्ड लिया था। इसका दो टुक़ जवाब देने के लिए फिर से रामनाथपुरम - शिवगंगा की सेनाएँ निकल पड़ीं। परंतु आश्चर्य की बात थी कि अन्व की मराठी तंजाऊर की सेनाएँ लड़ने के बजाए शांति का प्रवचन करने में लेकर विरोधी सेना के सामने दिखाई दीं। अन्वर की बात यह थी कि फिरंगी भेदियों से हथ मिलाने के कारण ही यह शांति का नाटक खेला गया था। इसका परिणाम यह था कि मरुंरे मुन्ध्यालय से फिरंगी सेनापति हेरान ने अश्वारोहण कला में भी कीर्ति प्राप्त थी। उस समय वह केवल 16 वर्ष की थी। राजकुमार श्री 18 वर्ष के थे। दोनों राजपरानों की सहमति इस बात पर बनी कि शुभ कार्य में विलंब न हो। तदनुसार बेलुनाचि मुत्तुवडुगनाथ का विवाह भी शीघ्र ही सम्पन्न

करती थीं। किसी दिन रानी को पता चला कि अपने राज्य में दलितों और पतितों के साथ अत्याचार और अमद व्यवहार का बोलबाला है। किसी भी जाति विशेष के साथ शिवगंगा में अन्धाय हो और उस पर अँधेरे मूँद ले, यह रानी नाचि को गवारा नहीं था। उसे यह भी पता चला कि हनुमन्तकुडि के रामर में दलितों ने पण्यौत योगदान भी दिया था। ऐसे में नरेश के शशिवर्णमंदिर में प्रवेश से दलितों को रोक जा रहा था। रानी ने अपने पतिवद राजा मुत्तुवडुगनाथ का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था। राजा ने सम्बन्धित सब लोगों को यह आज्ञा दी थी कि दिवंगम राजा के शासन - काल में जो नीति मंदिर प्रवेश के सम्बन्ध में थी, उसका बरकरार रखा जाय। इस तरह दलितों और पतितों को भी मंदिर में प्रवेश और पूजा का अधिकार लौटा दिया गया था। किसी समय आकट के जवान चन्दा साहब के साथ हुए युद्ध में हारे मरुंरे के राजा वंगालतमिल और उसका पुत्र विजयकुमार भी शिवगंगा में दी थी। युद्ध में नवाब के सिपाहसालार को हराकर शिवगंगा के राज के हार मरुंरे को पुनः पिता - पुत्र को सौंप गया था। हनुमन्तकुडि में जन्म हुआ था, उसकी उम्र नव तंजाऊर के नरेश के दिल में रह रहकर सता रही थी। सन् 1755 में उसने पुनः आक्रमण करने का मन बनाकर मराठी सेना से सम्झौता कर लिया था। मराठी सेना के सहजोग से उसने हनुमन्तकुडि का एक हिस्सा हड्ड लिया था। इसका दो टुक़ जवाब देने के लिए फिर से रामनाथपुरम - शिवगंगा की सेनाएँ निकल पड़ीं। परंतु आश्चर्य की बात थी कि अन्व की मराठी तंजाऊर की सेनाएँ लड़ने के बजाए शांति का प्रवचन करने में लेकर विरोधी सेना के सामने दिखाई दीं। अन्वर की बात यह थी कि फिरंगी भेदियों से हथ मिलाने के कारण ही यह शांति का नाटक खेला गया था। इसका परिणाम यह था कि मरुंरे मुन्ध्यालय से फिरंगी सेनापति हेरान ने अश्वारोहण कला में भी कीर्ति प्राप्त थी। उस समय वह केवल 16 वर्ष की थी। राजकुमार श्री 18 वर्ष के थे। दोनों राजपरानों की सहमति इस बात पर बनी कि शुभ कार्य में विलंब न हो। तदनुसार बेलुनाचि मुत्तुवडुगनाथ का विवाह भी शीघ्र ही सम्पन्न

करती थीं। किसी दिन रानी को पता चला कि अपने राज्य में दलितों और पतितों के साथ अत्याचार और अमद व्यवहार का बोलबाला है। किसी भी जाति विशेष के साथ शिवगंगा में अन्धाय हो और उस पर अँधेरे मूँद ले, यह रानी नाचि को गवारा नहीं था। उसे यह भी पता चला कि हनुमन्तकुडि के रामर में दलितों ने पण्यौत योगदान भी दिया था। ऐसे में नरेश के शशिवर्णमंदिर में प्रवेश से दलितों को रोक जा रहा था। रानी ने अपने पतिवद राजा मुत्तुवडुगनाथ का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था। राजा ने सम्बन्धित सब लोगों को यह आज्ञा दी थी कि दिवंगम राजा के शासन - काल में जो नीति मंदिर प्रवेश के सम्बन्ध में थी, उसका बरकरार रखा जाय। इस तरह दलितों और पतितों को भी मंदिर में प्रवेश और पूजा का अधिकार लौटा दिया गया था। किसी समय आकट के जवान चन्दा साहब के साथ हुए युद्ध में हारे मरुंरे के राजा वंगालतमिल और उसका पुत्र विजयकुमार भी शिवगंगा में दी थी। युद्ध में नवाब के सिपाहसालार को हराकर शिवगंगा के राज के हार मरुंरे को पुनः पिता - पुत्र को सौंप गया था। हनुमन्तकुडि में जन्म हुआ था, उसकी उम्र नव तंजाऊर के नरेश के दिल में रह रहकर सता रही थी। सन् 1755 में उसने पुनः आक्रमण करने का मन बनाकर मराठी सेना से सम्झौता कर लिया था। मराठी सेना के सहजोग से उसने हनुमन्तकुडि का एक हिस्सा हड्ड लिया था। इसका दो टुक़ जवाब देने के लिए फिर से रामनाथपुरम - शिवगंगा की सेनाएँ निकल पड़ीं। परंतु आश्चर्य की बात थी कि अन्व की मराठी तंजाऊर की सेनाएँ लड़ने के बजाए शां

### धनराज सिंगोदिया (सैनी) बने वार्ड नंबर 14 के कांग्रेस वार्ड अध्यक्ष लोगों ने दी बधाई



जयपुर राजस्थान। ग्रेटर के विधापर नगर विधानसभा के वार्ड नंबर 14 से धनराज सिंगोदिया (सैनी) को कांग्रेस का वार्ड अध्यक्ष बनाया गया। अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के लिए प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, मुख्यालय प्रमोदी ललित मुन्नावाल, पीसीसी कोषाध्यक्ष व विधानसभा प्रत्यक्षी सीताराम अग्रवाल व झोटवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र पाल जादौन को वार्ड की जिम्मेदारी देने के लिए आमंत्रित किया गया।

### नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत निरक्षर से साक्षर बने लोगों की परीक्षा आयोजित



नव भारत साक्षरता अभियान के अंतर्गत 15 वषर् के निरक्षर का विनहकन एनआईएलपी ऐप पर फीडिंग कर वॉलेंटियर के माध्यम से उनको साक्षर बनाया जाना है। जनपद हरदोई में निरक्षर से साक्षर बन चुके लोगों की परीक्षा 19 मार्च 2023 रविवार को सकुशल सम्पन्न हुई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विनीता के दिशा निर्देशन में जनपद हरदोई के समस्त परिषदीय विद्यालय सुबह 10 बजे से शाम 05 बजे तक खुले रहे। वॉलेंटियर के माध्यम से लोगों ने परीक्षा केंद्रों पर जाकर उपलब्ध कराये गए प्रश्नपत्र को हल किया एवं पंजिका पर अपनी उपस्थिति भी दर्ज की। इस दौरान राज्य स्तर व जिला स्तर से बनाई गई टीम की परीक्षा केंद्रों का भ्रमण करती रही। जब परीक्षा देते आये लोगों से बात की गई तो उन्होंने कहा कि अब उनके ऊपर जो अनपढ़ कहे जाने वाला एक दाग था वह अब नहीं रहेगा। सामान्य चीजों को पढ़कर अब समझ भी बना सकेंगे। परीक्षा देकर वह सभी सुख नजर आये और यह वादा किया कि उनके संघर्ष में जो लोग भी होंगे उनको भी वह साक्षर बनने के लिए प्रेरित करेंगे।

### बिजली कर्मचारी संघ ने हड़ताल वापस ली



अयोध्या संघर्ष समिति ने एक दिन पहले कार्य बहिष्कार आंदोलन को किया समाप्त। ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने संघर्ष समिति को भी आश्वासन दिया कि हड़ताल के दौरान कर्मचारियों के खिलाफ की गई सम्पूर्ण कार्यावाही को वापस लिया जाएगा। और इसके लिए उन्होंने यूपीपी सी एल के चैयरमैन को निर्देशित भी किया। कि अब तक कर्मचारियों को खिलाफ की गई कार्यावाही में कोई एफआईआर हो, निलंबन हो, या अन्य किसी प्रकार की कार्यावाही की गई हो। ऐसे शीघ्र ही वापस लिया जाएगा।

### नरो के विरुद्ध एक दिवसीय 111वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

करनाल। नशा मुक्त हरियाणा जित दूध दही का खाना के नारे के साथ नशा मुक्त अभियान में जुटी हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो द्वारा राजकीय कन्या महाविद्यालय तरावड़ी में 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के अंतर्गत नरो के विरुद्ध एक दिवसीय 111वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा की अध्यक्षता में डॉ. सरिता यादव, आमा नरवाल, डॉ. चरणदास, डॉ. विनोद मेहला, मनीष गर्ग और हर्षपाल सिंह द्वारा संचालित किया गया। हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रमोदी डॉ. अशोक कुमार वर्मा इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पत्राचार हुए थे। डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने उपस्थित स्वयंसेवकों के साथ अपने विचार साझा करते हुए कहा कि भारत में 70 प्रतिशत जनसंख्या युवाओं की है। यदि देश का युवा नरो से दूर होगा तो देश विकास के मार्ग पर अग्रसर होगा और यदि नरो में ग्रस्त हो गया तो देश को कौन संभालेगा कोई बाहर वाला आकर पर से हमें निकाहला। नशा व्यक्ति के नाश का द्वार है। उन्होंने स्वयंसेवकों को हर प्रकार से नरो से दूर रहने के साथ साथ अन्य लोगों को भी नरो से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा। प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने डॉ. अशोक कुमार वर्मा को गमला भेंट किया और कहा कि यह एक बहुत ही सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि नशा न निर्धन को देखता है न धनवान को देखता है वह तो सभी नशा करने वाले लोगों के जीवन को समाप्त कर देता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक साथ जीवन में नशा न करने की शपथ ली।



## कैरियर काउंसलिंग में बच्चों को मिला मार्गदर्शन



रूद्रपुर (देवरिया)। रविवार को प्रमुख विहार रामचक्र स्कूल के सभागार में बच्चों के उज्वल भविष्य एवं मार्गदर्शन के लिए 140 जी व 12वीं के बाद क्या करें? विषय पर कैरियर गाइडेंस व काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कैरियर काउंसलर ने बच्चों को आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंकज कुमार सिंह (के.के.स्टडी) व प्रधानाचार्य राधाप्रताप सिंह ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पचक्र कर किया। इस अवसर पर काउंसलर के रूप में आई आई टी डॉ. बंधु से प्रधानमंत्री रहित फेलोशिप योजना के तहत पीएचडी कर रहे वचन कुमार, रिसर्च स्कालर आई आई टी कर्नेल प्रद्युम्न कुमार भारत, बीएस केमेस्ट्री ओमद जामदार, ई0 मुकेश सर (गणित), पंकज सर (रसायन विज्ञान), प्रजा सिंह (मास्टर्स, बी०बी०ए०यू० लखनऊ), पनक सिंह (सैफर्ड मेडिकल कॉलेज) व प्रभाकर सिंह (गणित, राजस्थान यूनिवर्सिटी) ने प्यारहवीं व बारहवीं के छात्र-छात्राओं द्वारा पूछे गए तमाम प्रश्नों का जवाब अपने अनुभव और योग्यता के अनुसार बखूबी रूप से दिए। विद्यार्थियों के तरफ से होने वाले मुख्य प्रश्नों में 90 वीं के बाद के क्या-क्या स्टडी है, फेमिली प्रेयर है उसके लिये

उपाय, ब्यअपस' म्ताअपवमें में कैरियर कैसे बनायें, प्पश्रम् छम्प के तैयारी के लिए रणनीति विद्यार्थि पर सभी ने अपने विचार रखे। इस दौरान पंकज कुमार सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि रूद्रपुर जैसे क्षेत्र में ऐसे जागरूकता वाले कार्यक्रम बहुत ही कम देखने को मिलता है। इस विद्यालय द्वारा किए जा रहे इस प्रकार के आयोजनों की सराहना करते हुए बच्चों को बताया कि आप सोनागयाशाली हैं कि आपकी काउंसलिंग होती है और आप उसकी सहायता है अपना सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र चुनकर कर सकते हैं। कार्यक्रम का समापन करते हुए प्रधानाचार्य राधाप्रताप सिंह ने विद्यार्थियों से मार्गदर्शन व काउंसलिंग में बताए गए विदुओं को अपनाकर जीवन सफल बनाने के लिए प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। 10 प्रश्नकार्ड प्रश्नोत्तर में सभी वक्ताओं व विषय विशेषज्ञों के प्रति आभार जताया। इस दौरान सुनिल सर, सुरेश प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, अरवि अधिकतार नागेंद्र राव, अनुशील विश्वकर्मा, रमेश प्रमाण, हीरा साहनी, प्रतीक सिंह, निधि गौतम, अनुजा सिंह आदि मौजूद रहे।

## रोटरी क्लब गोला व रोट्रेक्ट क्लब गोला यूथ ने आयोजित किया मेगा रक्तदान शिविर



रक्तदान अमृत महोत्सव की श्रृंखला में रोटरी क्लब व रोट्रेक्ट क्लब गोला रश्मिद्वारा नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रूद्र कर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रोटरी व रोट्रेक्ट के सदस्यों के साथ-साथ परामाउंट कम्पटीशन क्लबसेज के छात्र छात्राओं एवं अन्य जनमानस की भी स्वेच्छा से एक यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष

प्रमोदी सुशी रवी ने कहा कि किसी जल्दमंद को समय पर उपलब्ध हुआ रक्त उसके जीवन के साथ-साथ उसका परिवार की मुस्कान भी बचा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि रक्तदान करने से कोई भी समस्या नहीं होती और कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्त दान कर सकता है। रक्तदान करने वाले लोगों में रोट्रेक्ट क्लब से रोट्रेक्ट अध्यक्ष पटेल सुशील वर्मा, खिटी डीआरआर हर्षित गुप्ता, खिटी डीआरआर रिशु महेश्वरी, प्रभात श्रीवास्तव, प्रशांत श्रीवास्तव, आकर्षण अग्निहोत्री व माजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नगर संयोजक अंकुश वर्मा आदि रहे। इस मौके पर रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्य अभिषेक राजपूर, रोटरी अध्यक्ष डॉक्टर योगेश कर्नौजिया एवं रोट्रेक्ट सचिव फरीद अहमद, कोषाध्यक्ष सिधु सिंह सहित सदस्य कम सिंह, अनांद प्रताप सिंह, कुलदीप तिवारी, सर्वेड अनुराग वर्मा, आशुतोष विश्वास, पंकज जायसवाल व युवा स्वयंसेवक संदीप वर्मा एमम् न्यू परामाउंट कपटीशन क्लबसेज के छात्र छात्राएं आदि और नगर के गणमान्य जन उपस्थित रहे।

## रामनगरी में मुख्यमंत्री श्री योगी ने किया रामलला का दर्शन एवं पूजन, राम मंदिर के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण



मांडी, अयोध्या अयोध्या, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के पानन धर्मनगरी अयोध्या में के बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के चलते अमृतपूर्व बिजली संकट के बीच 19 मार्च 2023 दिन रविवार को यहां प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंच गए हैं। यहां उन्होंने रामलला और हनुमानगढ़ी दोनों पूजन के बाद विकास कार्यों का निरीक्षण शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री यहां करीब पांच घंटे रहे मुख्यमंत्री यहां करीब पांच घंटे रहे, रविवार को मुख्यमंत्री योंगी आदित्यनाथ के बीच 19 मार्च 2023 दिन रविवार को यहां प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंच गए हैं। यहां उन्होंने रामलला और हनुमानगढ़ी दोनों पूजन के बाद विकास कार्यों का निरीक्षण शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री यहां करीब पांच घंटे रहे मुख्यमंत्री यहां करीब पांच घंटे रहे, रविवार

## विधानसभा के बनकुईयां में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्व बैठक



मध्य प्रदेश में संमरिया विधानसभा में बैठक ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्व बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी रीवा ग्रामीण के अध्यक्ष इंजी. राजेंद्र शर्मा जी, पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी रीवा ग्रामीण के अध्यक्ष श्री त्रिभुगी नारायण शुक्ला भगत जी पूर्व

## आरे पिकनिक फाईट को मिनी अम्यूजमेंट पार्क में तब्दील करेगी प्रियंका अलाइड सर्विस



कॉलोनी में 'आरे पिकनिक फाईट' बनाया गया है। 15 एकेड में फैला खुला एवं प्रकृति के बीच बसा यह आकर्षक और मनमोहक स्थान सुदूर भरे पलों का अहसास कराएगा। इसमें फिलाहाल 12 प्रकार के सरिसूप (रेटाइल्ट), विभिन्न तरह के खतरनाक सांपों को यहां नागरिकों को दिखाने व विभिन्न प्रजातियों के मनमोहक 37 प्रकार के देशी विदेशी पक्षी एवं 15 प्रकार के बतख आदि अन्य जीवों के लिए यहां स्थान सुरक्षित किया गया है। इससे जहां बच्चों को एक ओर पिकनिक का आनंद मिलेगा, वहीं उन्हें सरिसूपों, पक्षियों एवं अन्य जीवों

कांग्रेस प्रत्याशी विधानसभा क्षेत्र सेमरिया, जिला संगठन मंत्री श्री रवि तिवारी, कांग्रेस नेता श्री वीपी प्रसाद सोहगरी, कांग्रेस नेता श्री लालमणि पाण्डेय, कांग्रेस नेता श्री दिवाकर द्विवेदी, कांग्रेस नेता श्री गजेन्द्र दुबे, ब्लॉक अध्यक्ष श्री मिथिलेश द्विवेदी सहित ब्लॉक सेक्टर एवं मंडलम के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जनहित के मुद्दों को लेकर अफिल सरकार के खिलाफ आमजन एवं कांग्रेस पार्टी के जांबाज सिपाहियों ने विगुल फूंक दिया है। (आगामी 2023 विधानसभा चुनाव में प्रदेश में परिवर्तन सुनिश्चित है।)

## आरे पिकनिक फाईट को मिनी अम्यूजमेंट पार्क में तब्दील करेगी प्रियंका अलाइड सर्विस



कॉलोनी में 'आरे पिकनिक फाईट' बनाया गया है। 15 एकेड में फैला खुला एवं प्रकृति के बीच बसा यह आकर्षक और मनमोहक स्थान सुदूर भरे पलों का अहसास कराएगा। इसमें फिलाहाल 12 प्रकार के सरिसूप (रेटाइल्ट), विभिन्न तरह के खतरनाक सांपों को यहां नागरिकों को दिखाने व विभिन्न प्रजातियों के मनमोहक 37 प्रकार के देशी विदेशी पक्षी एवं 15 प्रकार के बतख आदि अन्य जीवों के लिए यहां स्थान सुरक्षित किया गया है। इससे जहां बच्चों को एक ओर पिकनिक का आनंद मिलेगा, वहीं उन्हें सरिसूपों, पक्षियों एवं अन्य जीवों

## आरे पिकनिक फाईट को मिनी अम्यूजमेंट पार्क में तब्दील करेगी प्रियंका अलाइड सर्विस

कॉलोनी में 'आरे पिकनिक फाईट' बनाया गया है। 15 एकेड में फैला खुला एवं प्रकृति के बीच बसा यह आकर्षक और मनमोहक स्थान सुदूर भरे पलों का अहसास कराएगा। इसमें फिलाहाल 12 प्रकार के सरिसूप (रेटाइल्ट), विभिन्न तरह के खतरनाक सांपों को यहां नागरिकों को दिखाने व विभिन्न प्रजातियों के मनमोहक 37 प्रकार के देशी विदेशी पक्षी एवं 15 प्रकार के बतख आदि अन्य जीवों के लिए यहां स्थान सुरक्षित किया गया है। इससे जहां बच्चों को एक ओर पिकनिक का आनंद मिलेगा, वहीं उन्हें सरिसूपों, पक्षियों एवं अन्य जीवों

## मातृत्व एकेडमी माझी नगर निकट अशरफ़ी भवन अयोध्या में पुस्तक वितरण समारोह का हुआ आयोजन



तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल सर्टिफिकेट देकर बच्चों को सम्मानित किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम आने वाले बच्चों के नाम हैं देवाश, विनायक गौरांग अदिति ऋषि आंचेय पवन सिंह, राघवेंद्र प्रानेय, अजिनव, लक्ष्मी, राज कृष्णा आरुषि, पूर्णिमा त्रामान्य ज्ञान-तियोगिता में प्रथम देवाश आयास हर्ष अक्षर संस्कृति शिवाश देवाश परिसर शावत आस्था वंशिका से जल राशन कला प्रदर्शनी में प्रथम स्थान रचना सिसरन शक्ति काव्या कान्हा सुप्रिया नंदिनी आर्यन स्वाति वंशिका लक्ष्मी आरुषि इंद्री वीच रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन डॉ रामचंद्र भागवत जी के निर्देशन में हुआ। जो कि आकाशवाणी एमम् दूरदर्शन के चक्र श्रेणी के कलाकार हैं। (अभिनवकों की उपस्थिति ति संतोषजनक रही।) प्रबंधक संतोष कुमार गुप्ता जी ने बताया कि बच्चे आज के कार्यक्रम का बहुत ही उत्सुकता से इंतजार कर रहे थे। उनकी आर्खां में जीत की चमक साफ दिख रही थी। विद्यालय परिवार सभी बच्चों को उनकी सफलता योग्यता श्रेष्ठता के लिए बधाई देता है। उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करता है। रंजु वर्मा जी एमम् ज्योति सिंह जी जो एक सफल संयोजक हैं इन्होंने ही पूरे कार्यक्रम का संयोजन किया। सभी शिक्षाकारण, अभिभावकगण का विद्यालय परिवार आभारी है ऐसे ही सहयोग करते रहे कार्यक्रम में सहभागी बने और हमारा मान बढ़ाते रहे।

## मातृत्व एकेडमी माझी नगर निकट अशरफ़ी भवन अयोध्या में पुस्तक वितरण समारोह का हुआ आयोजन

तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल सर्टिफिकेट देकर बच्चों को सम्मानित किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम आने वाले बच्चों के नाम हैं देवाश, विनायक गौरांग अदिति ऋषि आंचेय पवन सिंह, राघवेंद्र प्रानेय, अजिनव, लक्ष्मी, राज कृष्णा आरुषि, पूर्णिमा त्रामान्य ज्ञान-तियोगिता में प्रथम देवाश आयास हर्ष अक्षर संस्कृति शिवाश देवाश परिसर शावत आस्था वंशिका से जल राशन कला प्रदर्शनी में प्रथम स्थान रचना सिसरन शक्ति काव्या कान्हा सुप्रिया नंदिनी आर्यन स्वाति वंशिका लक्ष्मी आरुषि इंद्री वीच रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन डॉ रामचंद्र भागवत जी के निर्देशन में हुआ। जो कि आकाशवाणी एमम् दूरदर्शन के चक्र श्रेणी के कलाकार हैं। (अभिनवकों की उपस्थिति ति संतोषजनक रही।) प्रबंधक संतोष कुमार गुप्ता जी ने बताया कि बच्चे आज के कार्यक्रम का बहुत ही उत्सुकता से इंतजार कर रहे थे। उनकी आर्खां में जीत की चमक साफ दिख रही थी। विद्यालय परिवार सभी बच्चों को उनकी सफलता योग्यता श्रेष्ठता के लिए बधाई देता है। उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करता है। रंजु वर्मा जी एमम् ज्योति सिंह जी जो एक सफल संयोजक हैं इन्होंने ही पूरे कार्यक्रम का संयोजन किया। सभी शिक्षाकारण, अभिभावकगण का विद्यालय परिवार आभारी है ऐसे ही सहयोग करते रहे कार्यक्रम में सहभागी बने और हमारा मान बढ़ाते रहे।

## अयोध्या में बिजली संकट पर मुख्यमंत्री श्री योगी से मिलने के ऐलान पर सपा पार्षद हाऊस अरेस्ट

अयोध्या, बिजली कर्मियों की हड़ताल के दौरान छाप बिजली संकट को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने का ऐलान कर जिला समाजवादी पार्टी के पार्षद को हाऊस अरेस्ट कर लिया गया है। रविवार सुबह ही उनके आवास पर पुलिस पहुंच गई और उन्हें घर में बंद करने को कहा। इस दौरान वहां हसनू कटरा चौकी प्रमोदी समेत अन्य पुलिस कर्मी मौजूद हैं। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री के जाने के बाद ही उन्हें हाऊस अरेस्ट से मुक्त किया जाएगा। नगर निगम के अशाफाक उल्ला खां वार्ड के समाजवादी पार्टी के पार्षद अजय पाण्डेय ने शनिवार को मुख्यमंत्री से मिलने की बात कही थी। उन्होंने बताया कि बिजली संकट के कारण लोगों की समस्याओं को देखते हुए उन्होंने जिला प्रशासन से भेंट करवाए जाने के लिए अनुरोध किया था लेकिन रविवार सुबह ही पुलिस आवास पर आ धमकी। उन्होंने कहा कि वे लोकतांत्रिक तरीके से भेंट करना चाहते थे जबकि सर्टिफिकेट हाऊस में मुख्यमंत्री जन प्रतिनिधि से मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार तानाशाही कर रही है। वहीं पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने सपा पार्षद को हाऊस अरेस्ट किए जाने को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया है।





